CBSE Class 8 Social Science Important Questions History Chapter 6 देशी जनता को सभ्य बनाना राष्ट्र को शिक्षित करना

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न-

प्रश्न 1.
अंग्रेजों का सांस्कृतिक मिशन क्या था?
उत्तर:
देशी समाज को सभ्य बनाना तथा उनके रीति-रिवाजों और मूल्य-मान्यताओं को बदलना अंग्रेजों का सांस्कृतिक मिशन था।

प्रश्न 2.
एशियाटिक सोसायटी ऑफ बंगाल का गठन किसने किया?
उत्तर:

- विलियम जोन्स,
- हैनरी टॉमस कोलबुक, तथा
- नैथेनियल हॉलहेड।

प्रश्न 3.
सन् 1781 में कलकत्ता में मदरसा क्यों खोला गया था?
उत्तर:
अरबी, फारसी, इस्लामिक कानून के अध्ययन को बढ़ावा देते हुए 1781 में कलकत्ता में मदरसा खोला गया था।

प्रश्न 4.
अंग्रेजों का शिक्षा अधिनियम कब लागू किया गया?
उत्तर:
सन् 1835 में।

प्रश्न 5.
1835 के अंग्रेजी शिक्षा अधिनियम के पश्चात् किसे 'अंधकार के मंदिर' की संज्ञा दी गई?
उत्तर:
प्राच्य संस्थाओं, जैसे कलकत्ता मदरसा तथा बनारस संस्कृत कॉलेज आदि को।

https://www.evidyarthi.in/

प्रश्न 6.
मिशनरियों ने अपना मिशन कहाँ स्थापित किया?
उत्तर:
मिशनरियों ने डेनिश ईस्ट इंडिया कंपनी के शासनांतर्गत पड़ने वाले क्षेत्र सेरामपुर में अपना मिशन स्थापित किया।

प्रश्न 7.
1830 के दशक में कंपनी ने देशी स्कूलों में शिक्षा की प्रगति पर रिपोर्ट देने का जिम्मा किसे सौंपा?
उत्तर:
स्कॉटलैंड के ईसाई प्रचारक विलियम एडम को।

प्रश्न 8.
देशी स्कूलों में शिक्षा की दो विशेषताएँ बताइये।
उत्तर:

- बच्चों की फीस निश्चित नहीं थी।
- सालाना परीक्षा की कोई व्यवस्था नहीं थी।

प्रश्न 9.
शांतिनिकेतन में कैसी शिक्षा पर जोर दिया गया?
उत्तर:
शांतिनिकेतन में कला, संगीत तथा नृत्य के साथसाथ विज्ञान और प्रौद्योगिकी की शिक्षा पर भी जोर दिया गया।

प्रश्न 10.
भाषाविद का अर्थ बताइये।
उत्तर:
भाषाविद एक ऐसा व्यक्ति होता है जो कई भाषाओं का जानकार और विद्यार्थी होता है।

प्रश्न 11.
प्राच्यवादी किसे कहते हैं?
उत्तर:
एशिया की भाषा और संस्कृति का गहन ज्ञान रखने वाले लोग प्राच्यवादी कहलाते हैं।

प्रश्न 12.
तत्कालीन समय में मुंशी किसे कहते थे?
उत्तर:
ऐसा व्यक्ति जो फारसी पढ़ना, लिखना और पढ़ाना जानता हो, तत्कालीन समय में मुंशी कहलाता था।

प्रश्न 13.
एशियाटिक रिसर्च नामक शोध पत्रिका का प्रकाशन किसने शुरू किया?
उत्तर:
एशियाटिक सोसायटी ऑफ बंगाल ने एशियाटिक रिसर्च नामक शोध पत्रिका का प्रकाशन शुरू किया।

https://www.evidyarthi.in/

प्रश्न 14.
प्राच्यवाद के दो घोर आलोचकों के नाम लिखिए।
उत्तर:

- जेम्स मिल
- थॉमस बैबिंगटन मैकाले।

प्रश्न 15.
वुड्स डिस्पैच कब जारी किया गया?
उत्तर:
वुड्स डिस्पैच 1854 में जारी किया गया।

लघूत्तरात्मक प्रश्न-

प्रश्न 1.
प्राच्यवादी अंग्रेजी अधिकारियों के अनुसार 'देशी जनता' का दिल किस प्रकार जीता जा सकता था?
उत्तर:

- शिक्षा के क्षेत्र में भारतीय ज्ञान को प्रोत्साहन दिया जाये।
- हिन्दुओं तथा मुसलमानों को वही पढ़ाया जाये जिससे वे पहले से परिचित हैं तथा जिसे वे आदर और महत्त्व देते हैं।
- उन्हें अनजाने विषयों की शिक्षा न दी जाये।

प्रश्न 2.
प्राचीन भारतीय ज्ञान के समर्थक चार अंग्रेजों के नाम लिखिये।
उत्तर:

- विलियम जोन्स
- हेनरी टॉमस कोलब्रुक
- नैथेनियल हॉलहेड
- वारेन हेस्टिंग्स।

प्रश्न 3.
'वुड के डिस्पैच' से आप क्या समझते हैं?
उत्तर:
1854 में ईस्ट इंडिया कंपनी के लंदन स्थित बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स ने भारतीय गवर्नर जनरल को शिक्षा के विषय में एक नीतिपत्र भेजा। चूँकि यह नीतिपत्र चार्ल्स वुड के नाम से जारी किया गया था, अतः इसे 'वुड के डिस्पैच' के नाम से जाना जाने लगा।

प्रश्न 4.
19वीं सदी में भारत में सक्रिय ईसाई प्रचारकों द्वारा व्यावहारिक शिक्षा की आलोचना क्यों की गई?
उत्तर:

https://www.evidyarthi.in/

ईसाई प्रचारकों का मानना था कि शिक्षा का उद्देश्य लोगों के नैतिक चरित्र में सुधार लाना होना चाहिए तथा नैतिकता का उत्थान केवल ईसाई शिक्षा के जरिए ही संभव होगा।

प्रश्न 5.
1813 तक ईस्ट इंडिया कंपनी ईसाई प्रचारकों की गतिविधियों के विरुद्ध क्यों थी?
उत्तर:
कम्पनी को डर था कि प्रचारकों की गतिविधि स्थानीय लोगों के बीच असंतोष पैदा करेगी और लोग भारत में अंग्रेजों की उपस्थिति को शक की नजर से देखने लगेंगे। इसलिए कम्पनी उनके विरुद्ध थी।

प्रश्न 6.
1857 के पश्चात् ब्रिटिश सरकार प्रचारक शिक्षा को प्रत्यक्ष सहायता देने में क्यों आनाकानी करने लगी?
उत्तर:
1857 के विद्रोह के पश्चात् ब्रिटिश सरकार को लगता था कि स्थानीय रीति-रिवाजों, व्यवहारों, मूल्यमान्यताओं और धार्मिक विचारों से किसी भी तरह की छेड़छाड़ 'देशी' लोगों को भड़का सकती थी। अतः वह प्रचारक शिक्षा को प्रत्यक्ष सहायता देने में आनाकानी करने लगी।

प्रश्न 7.
कोई एक उदाहरण देकर समझाइये कि देशी स्कूलों में शिक्षा स्थानीय आवश्यकताओं के लिए काफी अनुकूल थी।
उत्तर:
देशी स्कूलों में शिक्षा स्थानीय आवश्यकताओं के लिए काफी अनुकूल थी। उदाहरणार्थ फसलों की कटाई के समय कक्षाएँ बंद हो जाती थीं क्योंकि उस समय गाँव के बच्चे प्रायः खेतों में काम करने चले जाते थे। कटाई और अनाज निकल जाने के बाद पाठशाला दोबारा शुरू हो जाती थी। इसका परिणाम यह था कि साधारण काश्तकारों के बच्चे भी पढ़ाई कर सकते थे।

प्रश्न 8.
शिक्षा के बारे में टैगोर तथा महात्मा गांधी के विचारों में क्या अन्तर था?
उत्तर:
टैगोर और महात्मा गांधी शिक्षा के बारे में भिन्न मत भी रखते थे। गांधीजी पश्चिमी सभ्यता और मशीनों व प्रौद्योगिकी की उपासना के कट्टर आलोचक थे जबकि टैगोर आधुनिक पश्चिमी सभ्यता और भारतीय परंपरा के श्रेष्ठ तत्त्वों का सम्मिश्रण चाहते थे। इसलिए उन्होंने शांतिनिकेतन में कला, संगीत और नृत्य के साथ-साथ विज्ञान और प्रौद्योगिकी की शिक्षा पर भी जोर दिया।

प्रश्न 9.
वर्नाकुलर से क्या आशय है? बताइये।
उत्तर:
वर्नाकुलर शब्द आमतौर पर मानक भाषा के अलग किसी स्थानीय भाषा या बोली के लिए इस्तेमाल किया जाता है। भारत जैसे औपनिवेशिक देशों में अंग्रेज रोजमर्रा इस्तेमाल की स्थानीय भाषाओं और साम्राज्यवादी शासकों की भाषा अंग्रेजी के बीच फर्क को चिह्नित करने के लिए | इस शब्द का इस्तेमाल करते थे।

https://www.evidyarthi.in/